STATEMENT BY MINISTER

Unprecedented rise in the price of paper

उपसभापति : अब कृष्णा साही जी अपना स्टेटमेंट लाई हैं । यह सो-मोटो स्टेटमेंट नहीं है ।

I want to make it very clear that there was a Calling Attention and to that she had given a saply. Certain questions were raised by the hon. Members and those questions she had to have some answers ready because her Ministry wanted to have consultations with other Ministries also. So, she had to get inquiries done and get the reference and answer from them. So, today she has come with that. So, please see there is no more discussion on it. That is what I have told here that day,

कृष्णा जी, आपके पास इसका पूरा जवाब अभी नहीं हो सकता कि हो क्योंकि कुछ सवाल ऐसे हैं जो आपके मंत्रालय से अलग हैं, तो आप उसके जवाब लेकर आगे हाउस के अंदर बता दीजिएगा । कृपया कोई अब चिट्ठी न भेजें ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : जो भेज चुके हैं ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: They will be taken as null and void.

SHRI MD. SALIM (West Bengal): Madam, there will be a statement and again there will be a discussion. If it is a written statement, we can have some queries.

THE DEPUTY CHAIRMAN; No, no No more queries. Actually the Members had raised the Calling Attention and the situation of paper. Otherwise, in this House we will have new traditions and then the Calling Attention will have some more questions and our Minister will be asked to say. So, we will not have anything new.

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश) : मैडम, पैट्रोल और डीजल की सार्टेज के बारे में स्टेटमेंट ले लिया गया था, उस पर भी कलेरिफिकेशन्स रह गई थी ।

उपसभापति : हां उस पर अगर कलेरिफिकेशन्स करनी है तो जब हाउस कहेगा, चेयरमैन साहब से बात करके और टाइम निकालकर मंत्री जी को इन्फार्म कर देंगे । उन्होंने कहा था कि आप जब बुलाएंगे हम आ जायगे क्योंकि उस दिन हमारे पास टाइम नहीं था सवाल पूछने का इसलिए रह गई थी ।

SHRI JAGMOHAN . (Nominated): Madam, the point is, the statement which she is making, I hope, covers all the points that were raised and it those points were not raised then we will be entitled to ask questions.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no. We are having more discussion on paper before it is being reiad.

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Is it not an apprehension

THE DEPUTY (CHAIRMAN: Please do not have unnecessary apprehensions in your mind.

SHRI NILOTPAL BASU: This is a repitition, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Krishnaji, if the House so agrees, you can lay it on the Table of the House. You can read it. Should we lay it as the Railway Minister is here? Should we lay it?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा साही) : उपसभापति महोदय, मैं अपने वक्तव्य की एक-एक प्रति (हिन्दी और अंग्रेजी में); जैसा आपने मुझे निर्देश दिया था ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के संबंध में, आज के सभापटल पर रखती हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you. At least she _ took pains to prepare the answers which you had put. I hope this tradition is kept.

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): I have got a copy.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have got a copy. So you keep it. Otherwise we will have an oral answer.

हम यह नहीं कहेंगे कि आप जा सकती हैं, आप यहां बैठिए, । अच्छा लगता है अगर आप लोग हाऊस में बैठे तो। महेश्वर जी, आप बोलिए। बहुत थोड़ा समय रह गया है रेलवे के लिए, मगर क्योंकि रेलवे मिनिस्टर साहब से भी मेरी बात हुई थी और मेम्बर्स ने भी कहा है कि वे बोलना चाहते हैं तो बहुत थोड़ा-थोड़ा बोल लीजिए।

This thing is, no party has really time except the BJP, one minute for the DMK and the AIADMK. They have taken excess, about 16 minutes for UPG, 11 minutes for others, 8 minutes for S. P. and 8 minutes for JD(S). This is the only official time left.

श्री एच० हनुमनतप्पा (कर्नाटक) : डिप्टी चेयरमैन की मर्जी से भी कुछ टाइम मिल जाता है ।

श्री जयेश देसाई (महाराष्ट्र) : यह तो ऑफिशियल टाइम है ।

उपसभापति : हां, ऑफिशियल बता रही हूं कि ऑफिसियल टाइम यह है। मंत्री जी यहां बैठे हुए है, मैंने पहले ही आपकी तरफ से रिक्वेस्ट करी है।

रेल का भी टाइम होता है नहीं तो चलती चली जाएगी।

श्री मुद्दास दासगुप्त (पश्चिमी बंगाल) : लेकिन रेल्ल टाइम पर नहीं चलती है मैडम।

Rajdhani Express was late by three hours.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If you want the Railway Minister to run his rail on time, then at least he should run our House also on time. Then you will have some legitimacy to run things on time. Let us see, we will expect him at 4.30 to reply if agreeable plus the time which is left and the time which is extra, within that period I will ask the Secretariate«*to divide for every Party.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : मैडम, एक हमारा निवेदन है कि यह जो बोलने का क्रम होता है, यह पार्टी वाइज होता है और पार्टी की स्ट्रैन्थ पर होता है, लेकिन कुछ पार्टी का रीपिटिशन हो रहा है, टाइम खत्म होने के बाद, जो मेरी जानकारी है ।

उपसभापति : सब को टाइम बराबर डिवाइड कर रहे हैं ।

श्री ईश दत्त यादव : हमारी पार्टी को . . (व्यवधान)

उपसभापति : पहले वालों के कम्पलीट करने के बाद। मैं समझ रही हूं, बैठिए न आप।

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, तीन दिन से हम इंतजार कर रहे हैं।

उपसभापति : ईश दत्त जी, मैं वही कहने जा रही हूं। आप मुझे बोलने तो दें, ताकि मैं ही बात करलूं और आपको ज्यादा टाईम मिले ।

श्री ईश दत्त यादव । मैडम, हमें भी बोलने दीजिए।

उपसभापति : मैं आपकी बात समझ गई। मैं खुद नहीं बोलना चाहती हूं। आपका जो एलोटिड टाईम बचा है, वह पहले कम्प्लीट होगा, फिर जिन पार्टियों का टाईम खत्म हो गया है, बचे हुए टाईम में इक्वली डिवाइड करके पार्टी स्ट्रेंथ के माध्यम से वह भी बोल देंगे । ठीक है ।

I cannot explain to everybody. Now, let us continue with the discussion on the Railway Budget.

3.00P.M.

I THE BUDGET (RAILWAYS) 1995-96

II. THE RESOLUTION SEEKING APPROVAL OF CERTAIN RECOM-MENDATIONS CONTAINED IN THE NINTH REPORT OF THE RAILWAY CONVENTION COM-MITTEE, 1991— Contd.

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश) : उपसभापति महोदया, उस दिन मैं कह रहा था कि जो रेल बजट माननीय मंत्री महोदय ने 14 मार्च को इस माननीय सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया है, उस चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा हूं। महोदया, सर्वप्रथम मैं श्री टी० एन० चतुर्वेदी द्वारा दिए गए सुझावों का समर्थन करना चाहूंगा कि अच्छा होगा आने वाले समय में बजट प्रस्तुत करने से पूर्व रेल मंत्री महोदय प्रदेश के मुख्य मंत्रीयों और सांसदों की एक बैठक बुलाएं ताकि जो उनके सुझाव आएं, उन सुझावों को भी बजट बनाते समय समावेश किया जाए और इसके अतिरिक्त जो साल भर की रेलवे की कार-गुजारी है, उस पर भी विचार हो सके।

महोदया, मंत्री महोदय ने अपने भाषण के अनुच्छेद 5.4 में कहा है कि :

There is a- happy sign that the growth in pasenger traffic is far more than our expectations, hopefully, in response to the steps taken by the Railways for improving the passenger services."

[माननीय उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) आसीन हुए]

मुझे ऐसा लगता है कि माननीय मंत्री महोदय की जो यह टिप्पणी है, उनकी यह कल्पना है। जहां तक यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो गई, वह इसलिए नहीं हुई कि आपने यात्रियों को कोई बहुत सुविधा दे दी। वह यात्रियों की मजबूरी और बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण है, न कि आपके द्वारा दी गई सुविधाएं। क्या यह सत्य नहीं है कि आज कुछ रेलों को छोड़कर अधिकांश रेलें न समय पर चलती हैं और न समय पर पहुंचती हैं? क्या यह सत्य नहीं है कि अगर आप रेलवे की हालत देखें तो जो खान-पान की व्यवस्था है, उसमें दिन-प्रतिदिन निरन्तर गिरावट हो रही है? क्या यह सत्य नहीं है कि आप रेल के डिब्बे में जाइए, चाहे वह फर्स्ट कलास का है, चाहे वह सेकेंड क्लास का है, चाहे वह ए. सी. सेकेंड क्लास का है, सीटें फटी हुई हैं। वहां अपने कपड़े बचाकर बैठना पड़ता है, कहीं कील में लग जाएंगे तो आपके कपड़े फट जाएंगे। तो यह हालत तो आपकी सीटों की है। जहां तक सफाई का सवाल है, शौचालय में बदबू है, जिस कारण वहां जाना मुश्किल है कहीं लाईट नहीं है। यह दुर्गति आपकी रेलवे की है और आप कहते हैं कि जो सुविधा आपने दी है उसके अनुरूप ही, उसके कारण ही आज पैसेंजर्स की संख्या बढ़ी है। मैं आपकी इस टिप्पणी से सहमत नहीं हूं।

महोदय, इसके अतिरिक्त रेलवे में चोरियां भी बढ़ने लगी हैं। पहले तो चोरी केवल मात्र कहीं सेकंड क्लास में होती थी, अब तो जिन रूट्स को हम सेफ समझते हैं उसमें भी—ए० सी० सेकंड क्लास में चोरी होने लगी है। महोदय, मैं आपको उदाहरण देना चाहूंगा कि 18 अप्रैल को मैं कालका से दिल्ली आ रहा था। तो ए० सी० सेकंड क्लास में एक महिला का एक अटेचीकेस चला गया। उसने जाकर अटैंडेंट से शिकायत की तो अटैंडेंट ने जवाब दिया कि मैं जिम्मेदार नहीं हूं। मुझे मालूम नहीं कि कौन बैग ले गया होगा। अब तो ए०सी० सेकंड क्लास में भी चोरी होने लगी है। इस सदन के माननीय सदस्य श्री रामनाथ कोविन्द कह रहे थे कि जब वे लखनऊ से आ रहे थे तो ए० सी० फर्स्ट में एक फैक एम० पी० बैठ गए और जब सुबह देखने लगे कि तो एक यात्री का एक सूट केस चला गया और उनका भी तीन हजार रुपया चला गया। यह तो आपके रेलवे की हालत है और आप कहते हैं कि जो आपने सुविधा दी है इसलिए यात्रियों की संख्या बढ़ी।